K. Nand B.A II Hon's (conti.....)
01/02/2022

रेटिंग विधि (rating method) के भी कुछ गुण (merits) तथा दोष (demerits) हैं। इसके प्रमुख गुण (merits) निम्नांकित हैं—

(i) रेटिंग विधि द्वारा शिक्षार्थियों (Learners) या बालकों के व्यवहारों तथा शैक्षिक समस्याओं का अध्ययन करने में अन्य विधियों की तुलना में कम खर्च तथा कम समय लगता है।

(ii) रेटिंग विधि में विश्वसनीयता (reliability) अधिक होती है क्योंकि इस विधि में रेटर (rater) या प्रेक्षक (जो अक्सर शिक्षक होते हैं) की अभिरुची (interest) अधिक लम्बे समय तक बनी रहती है।

(iii) रेटिंग विधि एक ऐसी विधि है जिसके प्रयोग के लिए किसी प्रकार के विशेष प्रशिक्षण (training) की आवश्यकता नहीं होती है। हां इतना जरूर है कि प्रेक्षक या रेटर बालकों की आदतों (habits), मनोवृत्तियों (attitudes), अभिरुचियों से यदि परिचित हो, तो इससे उन्हें रेटिंग करने में अधिक आसानी होती है।

इन गुणों के बावजूद रेटिंग विधि Rating method) के कुछ अवगुण (demerits) हैं. जो निम्नांकित हैं—

(i) अनेक सावधानियों के बावजूद रेटिंग विधि में कई तरह की त्रुटियाँ (errors) होती पाई गई हैं. जिससे इस विधि से प्राप्त परिणाम (results) अधिक विश्वसनीय (reliable) नहीं रह जाते हैं। इन त्रुटियों (errors) में परिवेश प्रभाव (Hallo effect), कठोरता की त्रुटि (error of severity), उदारता की त्रुटि (error of leniency) तथा केन्द्रीय

R. Nawal B.A.II Notes (Conti...)
01/02/2022

प्रवृत्ति की त्रुटि (Error of Central Tendency) प्रकार है। परिवेश प्रभाव (Halo effect) में शिक्षक या प्रेक्षक शिक्षार्थी या बालक के किसी एक अनुकूल (Favourable) शीलगुण या प्रतिकूल शीलगुण (Unfavourable) शीलगुण या प्रतिकूल शीलगुण (Unfavourable trait) से इतना अधिक प्रभावित हो जाते हैं कि उनके द्वारा बालकों के अन्य शीलगुणों पर किया जानेवाला निर्णय भी काफी हद तक उसी दिशा में प्रभावित हो जाता है। कठोरता त्रुटि (Error of Severity) में शिक्षक बालक के प्रति एक कड़ा रुख अपनाकर रेटिंग करते हैं जिसके परिणामस्वरूप बालकों के शीलगुणों के बारे में एक सही निष्कर्ष पर पहुँच पाना संभव नहीं हो पाता है। उदारता के त्रुटि में शिक्षक या प्रेक्षक छात्रों के प्रति एक अति उदार मनोवृत्ति रखते हैं और इस कारण रेटिंग इतना अधिक प्रभावित हो जाता है कि वह उनका वास्तविकता से परे हो जाता है। केन्द्रीय प्रवृत्ति की त्रुटि (Error of Central Tendency) में शिक्षक उदारता तथा कठोरता के बीच की राह पर चलते हैं और छात्रों या शिक्षार्थियों को रेटिंग की विभिन्न श्रेणियों के बीचोबीच रखकर छोड़ देते हैं, जैसे शिक्षक परीक्षा की उत्तर-पुस्तिकाओं में बालकों को अक्सर 45% से 55% के बीच में अंक देकर छोड़नेवाले होते हैं चाहे उनका उत्तर श्रेष्ठ या घटिया हो। स्पष्ट है कि रेटिंग विधि इन त्रुटियों से ग्रसित हो जाने पर शिक्षार्थियों के बारे में एक सही तस्वीर उपस्थित नहीं कर पाती है।

ii) रेटिंग विधि द्वारा छात्रों के उन शीलगुणों (traits) का अध्ययन नहीं किया जा सकता है जिनको

P.T.O